16

कलीसियाः

ऐल्डरों के प्रति इसके सदस्यों का दायित्व

आदर

1. **ऐल्डरों के साथ अपने पूर्ण सज़्बन्ध का कैसे पता चल सकता है (2 तीमुथियुस 3:16, 17)?**
2. **पौलुस ने किस बात के लिए भाइयों से बिनती की (1 थिस्सलुनीकियों 5:12)?**
   क. ऐल्डरों को ''मानने'' का ज़्या अर्थ है?
   उनका आदर करना, उन्हें स्वीकार करना और अत्यधिक सज़्मान देना।
   ख. उन्हें कितना सज़्मान दिया जाना चाहिए (1 थिस्सलुनीकियों 5:13)?
   (1) उन्हें इतना अधिक सज़्मान ज़्यों दिया जाना चाहिए (1 थिस्सलुनीकियों 5:13)?
   (2) ज़्या सदस्यों को ऐल्डरों के बारे में तुच्छ बातें करनी चाहिए या उनका अपमान करना चाहिए?
3. **ऐल्डरों के प्रति शिष्टाचार के कौन से काम होते रहने चाहिए (इब्रानियों 13:24)?**

उनके प्रबन्ध में रहना

1. **अध्यक्षों के प्रति कैसी सावधानी और कृतज्ञता दिखाई जानी चाहिए (इब्रानियों 13:7)?**
   क. उनके विश्वास का सज़्मान कैसे होना चाहिए (इब्रानियों 13:7)?
   ख. मसीह ने इतने प्रभावी ढंग से कैसे सिखाया (1 पतरस 2:21)?
   ग. ऐल्डरों का अनुसरण कहां तक किया जाना चाहिए (1 कुरिन्थियों 11:1)?
2. **अगुओं की इच्छाओं और आज्ञाओं का सज़्मान कैसे किया जाना चाहिए (इब्रानियों 13:17)?**
   उनकी बात ऐसे ज़्यों माननी चाहिए (इब्रानियों 13:17)?
3. **पतरस ने ''नवयुवकों'' को कैसे समझाया (1 पतरस 5:5)?**

रक्षा होनी, सज़्मान होना और सहायता मिलनी

1. **हर उम्र के लोगों के प्रति प्रचारक का व्यवहार कैसा होना चाहिए (1 तीमुथियुस 5:1-3)?**
   ज़्या ये पाबन्दियां केवल प्रचारक के लिए ही हैं ?
2. **ऐल्डरों के सज़्मान की रक्षा कैसे की जानी चाहिए (1 तीमुथियुस 5:19)?**
   क. लेकिन समझाना किसे चाहिए ? कैसे और ज़्यों (1 तीमुथियुस 5:20) ?
   ख. तीतुस ने कैसे समझाना था (तीतुस 2:15) ?
3. **''अच्छा प्रबन्ध'' करने वालों को कैसे मानना चाहिए (1 तीमुथियुस 5:17)?**
   क. ऐल्डरों में यह विशेष पृथकता किसमें पाई जाती है (1 तीमुथियुस 5:17) ?
   इस सज़्बन्ध में पवित्र शास्त्र ज़्या कहता है (1 तीमुथियुस 5:18) ?
   ख. औसत ऐल्डर अयोग्य कैसे ठहरते हैं ?
   उसका सांसारिक काम - कुछ बातें बताएं जिनसे वचन को दबाया जाता है (मज़ी 13:22)।
   ग. यदि ऐल्डर काम में पूरा समय नहीं दे सकते, तो उन्हें ज़्या करना चाहिए ?
   ज़्या उन्हें काम को करने के लिए पूर्णकालिक श्रमिकों को लगा लेना चाहिए ?
   घ. आखिर, कलीसिया का काम परमेश्वर को कैसे स्वीकार्य होता है ?
   यह देखकर कि यह काम ऐल्डरों की निगरानी में हो रहा है।

विचार के लिए प्रश्न

1. **यदि चरवाहों का काम निगरानी करना है, तो झुंड को ज़्या करना चाहिए?**
2. **यदि ऐल्डरों का काम रखवाली करना है, तो रखवाली किसकी होनी चाहिए?**
3. **यदि ऐल्डरों का काम झुंड को चराना है, तो सदस्यों का ज़्या काम है?**
4. **यदि ऐल्डरों का काम अगुआई करना है, तो सदस्यों का ज़्या काम है?**
5. **यदि ऐल्डरों का काम प्रबन्ध करना है, तो सदस्यों को ज़्या करना चाहिए?**
6. **यदि ऐल्डर झुंड के प्रति ज़िज़्मेदार है, तो सदस्यों की ज़िज़्मेदारी ज़्या है?**
7. **ज़्या ऐल्डर झुंड की रक्षा न करने पर भी ऐल्डर हो सकते हैं या रह सकते हैं?**
8. **मण्डली का प्रबन्ध न करने पर ज़्या ऐल्डर प्रबन्ध करने वाले हो सकते हैं?**
9. **ज़्या सदस्यों की रखवाली न करके ऐल्डर झुंड को चरा सकते हैं?**
10. **कलीसिया द्वारा उनकी अगुआई को न मानने पर ज़्या ऐल्डर अगुवे हो सकते हैं?**
11. **यदि उनकी निगरानी में रहने वाले ही उनकी निगरानी में न रहना चाहें तो ज़्या ऐल्डर रखवाले हो सकते हैं?**
12. **ऐल्डर किस बात में बिल्कुल सही हैं?**
    निगरानी करने में, झुंड की रखवाली करने में, सदस्यों को भोजन खिलाने में या अच्छा नमूना देकर प्रबन्ध करने में।

क. उन्हें ठीक चाल नहीं चलने वाले सदस्यों से कैसे पेश आना चाहिए (1 थिस्सलुनीकियों 5:14क) ?

ख. यदि सीधी चाल न चलने वालों को सुधारा नहीं जाता, तो ज़्या होता है (2 थिस्सलुनीकियों 3:6) ?

ग. ईश्वरीय प्रबन्ध का सज़्मान न करने वालों को ज़्या करना चाहिए (2 थिस्सलुनीकियों 3:14) ?